पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

अंक#16 नवंबर, 2018

स्वच्छता अभियान विशेषांक–3

विषय सूची

अध्यक्ष का संदेश 03

स्वच्छ भारत अभियान

जल/भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

स्वच्छता मिशन अभियान (जानकीदेवी बजाज जयन्ती) 05
'पालीथिन एवं रसायन मुक्त बालाजी मंदिर' – जन–जागरूकता 06
'धरती के जानलेवा राक्षस गंदगी और प्लास्टिक' रुकनपुर जन–जागरूकता 08
स्वच्छता अभियान – बटेश्वर रोड, माधौगंज 09
शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन को मूत्र की दुर्गन्ध से मुक्ति हेतु अभियान 09
निबन्ध, चित्रकला एंव वाद–विवाद प्रतियोगिता, (विश्व पृथ्वी दिवस) 10
शिकोहाबाद स्वच्छता में नम्बर–1 11
दिल्ली एवं मुम्बई मैराथन 12
'स्वच्छ जल कैसे बचाएँ' विचार गोष्ठी (विश्व जल दिवस) 13
वन पूजन एवं वृक्ष बचाओं गोष्ठी (विश्व वानिकी दिवस) 14
करें योग, रहें निरोग – (अंतरराष्ट्रीय योग दिवस) 15

जैविक खेती

'भारतीय बाज़ार में जैविक खेती की प्रासंगिकता' – गोष्ठी एवं जैविक किसान सम्मान समारोह (स्थापना दिवस) 16
कचरा प्रबन्धन कार्यशाला 18
जैविक मेला–शिकोहाबाद 19
जैविक खेती परियोजना 20
जैविक उत्पाद प्रदर्शनी जिला मुख्यालय 21
किसान चौपाल 22
गांधी जयन्ती के अवसर पर विविध कार्यक्रमोंका आयोजन 23
एक विशेष औषधि–अर्जुन वृक्ष 24

वायु/ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रम

तम्बाकू निषेध अभियान 25
वन महोत्सव–वृक्षारोपण–अभियान 2017 28
वन दर्शन–जन शिक्षण अभियान 30
दीपावली में ध्वनि और वायु प्रदूषण जागरूकता 31
अनंत........ 32

पर्यावरण मित्र

पर्यावरण मित्र – गतिविधियां, जागरूकता सूची
अभियान और सम्पर्क 36

अतिरिक्त सुझाव व जानकारी के लिए :

दीपक औहरी (+91 9759213018) मोहित जादौन (+91 9358361489)
अभिषेक श्रीवास्तव (+91 8394894447)
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला: फिरोजाबाद (उ.प्र.), 283141
ई–मेल : pmhoskb@gmail.com
Website: www.paryavaranmitra.org

अध्यक्ष का संदेश

प्रिय पर्यावरण मित्रों,

पर्यावरण मित्र ने अपने चौदह वर्ष का कार्यकाल आप सभी पर्यावरण मित्रों के सहयोग से पूरा किया।

सन 2004 में पर्यावरण मित्र की स्थापना के समय 'घर से ही कूड़े का पृथक्ककरण किया' को प्रारम्भ किया गया। जिसमें गीले कूड़े को खाद बनाने में व सूखे कूड़े को पुनः चक्रणीकरण हेतु भेजने की विधि अपनायी गयी। पिछले 14 वर्षों से पर्यावरण मित्र के मुख्यालय हिन्द परिसर, जहां लगभग एक सौ से अधिक परिवार रहते हैं वहां से नगरपालिका को किसी भी प्रकार का कूड़ा नहीं दिया जाता है।

वर्ष 2017 में जब जिलाप्रशासन ने पर्यावरण मित्र को ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया तब भी पर्यावरण मित्र ने मंच से एक ही बात कही कि कूड़ा 'अभिशाप नहीं वरदान है।' बात कार्यप्रणाली को सुधारने की है।

मुझे आज खुशी होती है कि गीले और सूखे कूड़े को अलग–अलग करने की बात, अब नगरपालिका स्तर पर होने लगी है। यही समय है, हम जैसे समाजसेवी संगठनों का, जब 'कूड़े के पृथक्करण' को एक जन आंदोलन में परिवर्तित कर दिया जाए। यह वह धरातलीय कार्य होगा जो आने वाली पीढ़ियों को 'ड्म्पिंग ग्राउण्ड से उठते मौत के चक्र' से बचाने का कार्य करेगा।

मैं नगर पालिका शिकोहाबाद को स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में जिले में प्रथम और उत्तर प्रदेश में नगरपालिका स्तर पर छठवां स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई देना चाहूँगी। मेरी अपेक्षा है कि अगली बार जब भी स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान होगा तो शिकोहाबाद स्वच्छता में प्रथम स्थान प्राप्त करेगा। पर्यावरण मित्र नगर पालिका शिकोहाबाद के साथ हर स्तर पर धरातलीय कार्य करने को तैयार है।

अतः मैं सभी समाजसेवी संगठनों से निवेदन करूंगी कि आने वाला समय वह कूड़े के पृथक्करण एवं पॉलीथिन निषेध की योजना को जनआंदोलन बनाने का कार्य करें।

इसके साथ ही इन चौदह वर्षों में हमने अपने उद्देश्यों के अंतर्गत हवा, पानी, भूमि एवं ध्वनि प्रदूषणों को कम करने

President's Message

Dear Friends,

Paryavaran Mitra has completed 14 years. Thanks to your support and commitment. We started our programme with the simple task of separating dry and wet waste. We promoted recycling dry waste and converting other waste into compost. In 2017, Paryavaran Mitra was voted Brand Ambassador for upholding this activity and being an exemplary organization that has considered waste as an asset and not a liability. In Shikohabad, the headquarters of Paryavaran Mitra, we have over 100 families who have consistently recycled waste and have not required any assistance from the Municipal Corporation for disposal. That is an incredible feat!

I feel encouraged and invigorated at the same time to see that Waste Management has become one of India's biggest drivers of environment initiatives. It is heartening to note that Paryavaran Mitra has been on the right path since its inception. This movement needs to gain further momentum and become an active part of all local and municipal corporation activities. 'Plastic Ban' is another initiative we need to add urgently to the agenda. This will help reduce the impact on our environment.

Abhinandan to Shikohabad Muncipal Corporation for attaining the No. 1 status in Shikohabad District and 6th in the State of U.P. in Swachhata Sarvekshan. Paryavaran Mitra is always ready to extend whatever help is required by Shikohabad Municipal Corporation towards this objective.

Besides Waste Management and Plastic Ban, we need to continue our work around reducing land, water, air and noise pollution. I have listed some quick tips as a gentle reminder and do hope you can apply some of these in your day-to-day lives. Lastly, I request you to engage our younger generation and work closely

अध्यक्ष का संदेश

का यथासम्भव प्रयास किया है।

वायुप्रदूषण को कम करने के लिए वृहद वृक्षारोपण, वाहनों का पी.यू.सी. चेक, गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की वकालत तथा विद्यार्थियों के साथ विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का क्रियान्वयन। ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए आतिशबाजी के दुरुपयोग, बैण्ड़ बाजे, विभिन्न अवसरों पर तेज आवाज में बजाए जाने वाले साउण्ड के लिए जन–जागरूकता करना।

जल प्रदूषण को कम करने के लिए परम्परागत जलाशयों का जीर्णोद्वार, कारखानों के जलशुद्धिकरण के लिए ईटीपी का संचालन, विभिन्न नदियों, नहरों में गंदगी न ड़ालने के जनजागरूकता कार्यक्रम।

भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए जैविक खेती एवं अनेक किसानों के मध्य जागरूकता, वृक्षारोपण, हरित पट्टिकाओं का निर्माण, लघु वन विकास एवं विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम साथ ही संस्था विद्यार्थियों के मध्य वन दर्शन, वॉलपेंटिंग, रैलियां, चित्रकला, नुक्कड़नाटक के माध्यम से समाज को जागरूक बनाने का कार्य कर रही है।

'पर्यावरण मित्र' आगे भी अपने उद्देश्यों को सार्थक बनाने के लिए कृतसंकल्प रहेगा। जनहित में आपके सहयोग एवं सुझाव हमेशा मुखापेक्षी हैं। मेरा सभी समाजसेवी संगठनों से निवेदन है कि आप सब यथा सम्भव क्षमता अनुसार उपर्युक्त प्रदूषणों से धरती को मुक्त बनाने के लिए कार्य करें। हम सब के एक साथ संयुक्त प्रयास से निश्चित ही कुछ अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे जिससे हम आने वाली भावी पीढ़ी को एक अच्छी धरती सौप सकें।

पर्यावरण मित्र आप सब की बहुत ही छोटी सी संस्था है हम आपसे अनुरोध करते हैं कि अपने-अपने आवास, संस्था और ऑफिस आदि के क्षेत्र में एक जागरुक नागरिक के नाते अपने और अपने परिवार तथा समाज के खुशहाली के लिए सफाई अभियान पर काम करें।

वायु, जल, भूमि व ध्वनि प्रदूषणों पर प्रशासन, विद्यार्थियों के साथ अवश्य कार्यरत रहें।

जय भारत।

हरित शुभकामनाओं के साथ,

किरण बजाज

President's Message

with students to bring about a change.

Paryavaran is a small organization and can only do so much! I request each one of you to create awareness, keep your own surroundings clean and green and contribute individually to making India a beautiful country once again. To me, that is the sign of a true patriot.

Let us all play our part. The road to a clean environment is not difficult. It just needs your commitment to a better future for yourself and your generations to come.

Green and Clean Wishes,

Kiran Bajaj

Easy tips to a better environment

Reduce Air Pollution

- PUC checks
- Plant Trees
- Awareness programmes in your own neighbourhood

Reduce Noise Pollution

- Ban fireworks
- Create awareness amongst people to reduce noise levels during festivals and processions.
- Be conscious of the noise levels in your own household
- Stop honking on the roads

Reduce Water Pollution

- Clean your local water bodies with friends and family
- Don't throw waste into ponds, lakes, rivers
- Insist on Effluent Water Treatment Plants in factories

Reduce Land Pollution

- Plant more trees
- Encourage organic farming and but organic produce to support farmers
- Create mini forests in your own surroundings

स्वच्छता अभियान

जल/भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य

स्वच्छता अभियान – धरती के जानलेवा राक्षस, गंदगी और प्लास्टिक

'धरती के जानलेवा राक्षस , गंदगी और प्लास्टिक' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान को जन–आंदोलन बनाने का कार्य किया, यह कार्य अभी निरन्तर जारी है।

स्वच्छता अभियान को जन–आंदोलन बनाने के क्रम में सर्वप्रथम स्थानीय समर्पित लोगों की कमेटी बनाई गई। कमेटी के साथ मिलकर पर्यावरण मित्र की टीम ने स्थानीय अन्य लोगों को शामिल कर, स्वच्छता अभियान को जन–आंदोलन बनाया।

बेकार सखा

सर्वप्रथम जानकी देवी बजाज जयंती के उपलक्ष्य में बेकार सखा कमेटी के साथ वहां के नागरिकों को कचरा प्रबन्धन एंव पॉलीथिन के दुरुपयोग के बारे में बताते हुए सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया।

कार्यक्रम में स्थानीय बेकार सखा स्वच्छता कमेटी की तरफ से शिवचरण लाल पाण्डेय, श्रीलाल माथुर, नरेन्द्रपाल सिंह, देवराज गिरि, रणवीर सिंह, मृदुलता सिंह, रंजना सिंह, अलका सिंह, दीपागिरि, पंकज राजपूत उपस्थित रहे।

सफाई करते संस्था कर्मी।

स्वच्छता अभियान से पहले

स्वच्छता अभियान के बाद

श्री बटेश्वरनाथ मंदिर

स्वच्छता अभियान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बटेश्वरनाथ मंदिर के स्थानीय दुकानदारों, साधु–संतो एवं मंदिर कमेटी के साथ यमुना के घाटों की स्वच्छता एवं मंदिर पर पॉलिथिन में प्रसाद को लेकर अभियान चलाया गया।

दिनांक– 4 जून 2018 स्थान– बटेश्वरनाथ मंदिर, वाह आगरा।

कागज की थैली के लिए दूकानदारों को प्रोत्साहित करती पर्यावरण मित्र टीम।

पम्पलेट को ध्यान पूर्वक पढ़ता दुकान पर बैठा बालक

जनजागरूकता अभियान के दौरान का दृश्य।

जल/भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य

बालाजी मंदिर

बालाजी मंदिर प्रांगण में 30 जनवरी 2018 को बजाज इलेक्ट्रीकल्स के अधिकारियों के साथ मिलकर स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम चलाया गया जिसके अंतर्गत मंदिर प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

13 मार्च 2018 को पर्यावरण मित्र स्वच्छता कमेटी के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें बालाजी मंदिर के मंहत मनीष उपाध्याय, प्रकाश चन्द्र गुप्ता, रामप्रकाश गुप्ता, रामकुमार एवं सुनील कुमार उपस्थित रहे। इस गोष्ठी में गहन विचार किया गया कि किस तरह से बालीजी मंदिर को 'पॉलीथिन एवं रसायन मुक्त' बनाया जा सकता है।

16 जनवरी 2018 को नाटक के माध्यम से ब्लूमिंग बड्स स्कूल के छात्र–छात्राओं ने मंदिर परिसर में आने लोगों को संदेश दिया कि किस तरह हम लोग जगह–जगह गंदगी फैलाते हैं जिससे हमारा पीने वाला पानी एवं साँस लेने वाली हवा दोनों दूषित हो जाते है जिससे वातावरण में नई–नई बीमारियां उत्पन्न होती हैं। इनसे बचने के लिए हमें गीले कचरे को हरे डस्टबिन में एवं सूखे कचरे को नीले डस्टबिन में ही ड़ालना चाहिए।

इसी क्रम में पहले जिस जगह बालाजी मंदिर में प्रसाद से बची पॉलिथिन को डम्प किया जाता था वहां एक छोटा पॉलीथिन का पहाड़ बन गया था। पहले जागरूकता से पॉलीथिन में कमी आयी फिर स्वच्छता अभियान से उस पहाड़ को साफ कर, एक समतल जगह बनायी गयी। अब पर्यावरण मित्र और मंदिर स्वच्छता कमेटी ने उस स्थान पर एक पार्क बनाने का निर्णय लिया है। पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बालाजी मंदिर पार्क सौन्दर्यीकरण

पॉलीथिन निषेध जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक श्रद्धालु से पॉलीथिन लेकर उसे समझातीं पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज एवं डॉ. दिलीप यादव।

झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश देते साधू–संत।

बालाजी मंदिर स्वच्छता कमेटी के साथ मीटिंग के पश्चात् समूह छायांकन।

बजाज इलेक्ट्रीकल्स के अधिकारियों द्वारा झाड़ू लगाकर दिया गया स्वच्छता का संदेश।

साफ सफाई का सपना था, बापू जी के ध्यान में।
आओ मिल सब हाथ बटायें, स्वच्छ भारत अभियान में।।

'पॉलीथिन एवं रसायन मुक्त' बालाजी मंदिर अभियान के अंतर्गत चला स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम

पर्यावरण मित्र संस्था अपने चौदहवें स्थापना दिवस एवं भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत बालाजी मंदिर परिसर स्थित तैयार किये जा रहे नये पार्क में स्वच्छता श्रमदान अभियान चलाया ।

बालाजी मंदिर परिसर में पर्यावरण मित्र एवं बालाजी मंदिर समिति मिलकर एक नवीन पार्क को विकसित करने का कार्य रहे हैं। इस पार्क में बहुत सारी पॉलीथिन एवं ईट पत्थरों के होने से पार्क में सुन्दरता नहीं आ पा रही थी। अतः पर्यावरण मित्र ने नगरपालिका परिषद शिकोहाबाद, कल्पतरु जीवन फाउण्डेशन एवं नगर के गण्यमान्य नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छता श्रमदान किया।

इस अभियान के अंतर्गत पार्क में पॉलीथिन, पत्थर एवं घास कूड़े को बीनकर उसे स्वच्छ बनाने के लिए अलग एकत्रित किया गया। नगरपालिका ईओ रामपाल सिंह ने कहा कि नगरपालिका शिकोहाबाद को स्वच्छता अभियान में नम्बर एक पर लाने के लिए दृढसंकल्पित है।

पर्यावरण मित्र समन्वयक दीपक औहरी एवं कल्पतरु जीवन फाउण्डेशन के संस्थापक राजेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि इस पार्क का सौन्दर्यीकरण अगले छः माह में पूरा कर लिया जाएगा। सेनेटरी इस्पेक्टर दिनेश यादव एवं सचिव सुभाष गुप्ता ने झाड़ू लगाकर सभी को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। बालाजी मंदिर महंत मनीष जी ने पार्क सौन्दर्यीकरण में स्वयं हाथ में झाड़ू उठाकर यह संदेश दिया कि कोई भी कार्य छोटा–बड़ा नहीं होता और स्वच्छता तो मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

स्वच्छता अभियान में मंजर उल–वासै, रजनीश कुमार, धर्मेन्द्र पाल, मोहित जादोंन, पंकज गुप्ता, नूर ख़िलकत एवं अजय शर्मा उपस्थित रहे। मंदिर प्रबन्धक राजेश गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दिनांक– 18 सितम्बर 2018 स्थान– बालाजी मंदिर, शिकोहाबाद।

बालाजी मंदिर परिसर में पर्यावरण मित्र द्वारा विकसित किए जा रहे पार्क में स्वच्छता श्रमदान अभियान का दृश्य।

जल/भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य

रुकनपुर पड़ाव

रुकनपुर में पिछले एक वर्ष से जारी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पर्यावरण मित्र द्वारा 13 दिसम्बर 2017 को स्वच्छता पर आयोजित नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में यंग स्कालर्स एकेडमी एवं शान्ति देवी आहूजा गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजूकेशन शिकोहाबाद के छात्र–छात्राओं ने स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति में स्थानीय लोगों को संदेश दिया कि केवल घर की सफाई करने से ही काम नहीं चलेगा बल्कि घर के बाहर भी सफाई करनी होगी।

9 फरवरी 2018 को 'गलियों में यदि कचड़ा हैं, देश हमारा पिछड़ा है' नारे के साथ पर्यावरण मित्र द्वारा 'धरती के जानलेवा राक्षस, गंदगी और प्लास्टिक' अभियान के अंतर्गत रुकनपुर स्थित हिन्द पब्लिक स्कूल के प्रागंण में नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक में लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल सागर इनक्लेव एवं सरस्वती शिशु मंदिर केशवपुरम के छात्र–छात्राओं ने स्वच्छता का संदेश दिया।

10 मार्च 2018 को पर्यावरण मित्र अध्यक्ष ने रुकनपुर में विजिट कर, एक वर्ष से जारी स्वच्छता अभियान कार्यक्रम पर स्थानीय कमेटी के मीटिंग कर, स्वच्छता से जुड़े कार्यों की समीक्षा एंव आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की।

हिन्द पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य मु. रईस, कमेटी सदस्य रिजवान, दाऊद खान, एजाज अली, शमीम बाबू, शुजा हैदर, पप्पू ठेकेदार, मुहम्म आमिर, यामीन अब्बासी ने पर्यावरण मित्र अध्यक्ष को हिन्द पब्लिक स्कूल के सामने 25 वर्षों से डल रहे कूड़े की समस्या को जड़ से खत्म करने पर उन्हें कोटि–कोटि धन्यवाद दिया।

21 फरवरी 2018 को जानकीदेवी बजाज सिलाई केन्द्र का शुभारम्भ किया गया जिससे रुकनपुर की बलिकाएँ एवं महिलाएँ स्वावलम्बी बनकर अपने पैरों पर खड़ी हो सकें।

इसी क्रम में 1 मई 2018 को रुकनपुर में बालिका पाठशाला का शुभारम्भ किया गया। जिसमें शिक्षा की धारा से छूट चुकी महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

24 मई 2018 को शब्दम् सलाहकार मण्ड़ल के सदस्यों द्वारा सिलाई केन्द्र का विजिट कर छात्राओं द्वारा तैयार किये गए वस्त्रों का अवलोकन किया गया, साथ ही छात्राओं ने सिलाई के अपने अनुभव अतिथियों के सम्मुख रखे।

नुक्कड़ नाटक में बोलती छात्रा।

नुक्कड़ नाटक का दृष्य।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज के रुकनपुर जानकी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की छात्राएं एवं शिक्षिकाएं।

'गलियों में यदि कचरा है तो देश हमारा पिछड़

जहां होगी सफाई, वहां न होगी दवा

पर्यावरण मित्र संस्था ने किया नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम

माधौगंज शिकोहाबाद

लखनऊ एक्प्रेसवे बनने के कारण माधौगंज शिकोहाबाद प्रथम प्रवेश द्वार बन गया है। इस कारण शिकोहाबाद में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति माधौगंज की स्वच्छता को देखकर ही शिकोहाबाद के नागरिकों के बारे में अपनी राय बनाता है।

पर्यावरण मित्र का 'धरती के जानलेवा राक्षस, गंदगी और प्लास्टिक' अभियान के अंतर्गत माधौगंज स्थित बटेश्वर मार्ग पर नगरपालिका एवं अन्य समाजसेवी संस्थाओं को सहयोग से वृहद स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। इस स्वच्छता अभियान का उद्देश्य स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और अपने आस–पास के क्षेत्र साफ रखना था।

पर्यावरण मित्र का सफाई श्रमदान अभियान चला

पर्यावरण मित्र ने किया श्रमदान

दिनांक– 18 फरवरी 2018

स्थान– माधौगंज स्थित बटेश्वर मार्ग, शिकोहाबाद, सहभागी संस्थाएँ– नगरपालिका, शिकोहाबाद, कल्पतरु जीवन फाउण्डेशन, शिवा पर्यावरण एवं पंतजलि योगपीठ

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगरपालिका द्वारा रखे गए डस्टबिन को सुविधा जनक स्थान पर करते हुए।

नगर पालिका शिकोहाबाद के अधिकारियों को बंद नालों को दिखाती पर्यावरण मित्र टीम।

पर्यावरण मित्र द्वारा शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन को मूत्र की दुर्गन्ध से मुक्ति हेतु अभियान

पर्यावरण मित्र के चौदहवें स्थापना दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन शिकोहाबाद के मुख्य द्वार पर खुले में मूत्र करने की समस्या को लेकर एक अभियान चलाया गया। इस समस्या की मुक्ति हेतु सभी ने सामूहिक रूप से झाड़ू लगाकर न सिर्फ जगह को साफ किया बल्कि झाड़ू लगाने ने अपने इस अभियान से उन लोगों को दिमाग पर भी झाड़ू लगाने का प्रयास किया जो वहां खुले में पेशाब करते हैं। स्वच्छता कार्यक्रम में ज्ञानदीप शाखा दो सर्वोदय स्थली ब्रहमाण्डेश्वर के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त पर्यावरण मित्र ने समय नीबू पानी वितरण के कैम्प भी लगाए और स्वच्छता अभियान भी चलाया।

रेल यात्रियों को नीबू–पानी पिलाते पर्यावरण मित्र।

रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता अभियान

जल/भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य

हिन्द लैम्प्स परिसर में 'प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध

पर्यावरण मित्र द्वारा हिन्द लैम्प्स परिसर को पूर्ण पॉलीथिन मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है। इस कार्य में पर्यावरण मित्र ने कॉलोनी के लोगों में जागरूकता फैलायी तत्पश्चात् विचार गोष्ठी कर, पॉलीथिन प्रयोग न करने पर शपथ ली।

शिकोहाबाद में पॉलीथिन पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु प्रयास

नगरपालिका शिकोहाबाद एवं अन्य समाजसेवी संगठनों के साथ मिलकर 14 जुलाई प्रातः 10 से पॉलीथिन निषेध रैली नगरपालिका से प्रारम्भ कर, तहसील तिराहा, कटरा बाजार, एटा तिराहा, मैनपुरी तिराहा, रुकनपुर, बड़ा बाजार, स्टेट बैंक से होते हुए नगरपालिका पर आकर सम्पन्न हुई।

रैली के माध्यम से नगर के नागरिकों को बताया गया कि यदि उनके प्रतिष्ठान पर पॉलीथिन पाई जाती है तो उन्हें पाँच हजार से एक लाख तक का अर्थदण्ड या 6 माह की जेल की सजा हो सकती है। रैली में नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिध अब्दुल वाहिद, अधिशासी अधिकारी रामपाल यादव, डॉ. रजनी यादव, डॉ. अजय कुमार आहूजा, राजेश गुप्ता, रामप्रकाश गुप्ता, डॉ. पी.एस. राना एवं नगरपालिका के सभी सभाषद व स्टॉफ मौजूद रहा।

सिरसागंज में पॉलीथिन निषेध एवं स्वच्छता जागरूकता हेतु प्रयास

रामशरण विद्या निकेतन, डिवाइन इंटरनेशनल एकेडमी, नगर पालिका परिषद सिरसागंज एवं एवं अन्य समाजसेवी संगठनों के साथ मिलकर 2 अक्टूबर को प्रातः 10 से पॉलीथिन निषेध एवं स्वच्छता जागरूकता रैली पूरे सिरसागंज नगर में निकाली गई।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक करते ब्लूमिंग बड्स स्कूल के विद्यार्थी।

चित्रकला, निबन्ध एवं डिबेट प्रतियोगिताओं के माध्यम से पॉलिथिन निषेध जागरूकता

21 अप्रैल 2018 को विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण मित्र द्वारा आईवी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल फिरोजाबाद एवं पालीवाल पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद के छात्र–छात्राओं के मध्य 'धरती के जानलेवा राक्षस गन्दगी और प्लास्टिक' निषेध में विद्यार्थियों की भूमिका विषय पर निबन्ध, डिबेट एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता में पेटिंग करते विद्यार्थी।

प्रमाण पत्र प्राप्त करतीं छात्राएँ।

पुस्कार वितरण प्रमाण पत्र एवं कैप के साथ समूह छायांकन।

शिकोहाबाद स्वच्छता में नम्बर–1

घर–घर में हो कचरा प्रबन्ध कार्यशाला में उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष मुमताज बेगम, अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह एवं स्वच्छता अधिकारी दिनेश यादव।

धरती के जानलेवा राक्षस, गंदगी और प्लास्टिक मुहिम।

नगर पालिका अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी ने पर्यावरण मित्र के नवीन संस्करण के लिए बधाई देते हुए कहा कि नगर पालिका परिषद शिकोहाबाद के स्वच्छता संबंधी सभी अभियानों में पर्यावरण मित्र ब्रांड एम्बेसडर के रूप में सक्रिय सहयोग से नगर पालिका स्वच्छ सर्वेक्षण 2019 में जिले में प्रथम स्थान व राज्य स्तर पर नगर पालिकाओं में छठवां स्थान प्राप्त किया। नगर पालिका शिकोहाबाद अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा स्वच्छता में पर्यावरण मित्र द्वारा किए गए सहयोग के लिए धन्यवाद किया और कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में भी शिकोहाबाद शहर को और अच्छे प्रदर्शन के लिए आपका सहयोग मिलता रहेगा।

Some great news!
The entire zone around Hind Lamps has been declared polythene free! This has been possible due to the efforts of the PM team who have spread the message through discussions and debates. The residents who have lived up to their promise of not using polythene bags.

The Paryavaran Mitra Cleanliness Drive:
The cleanliness drive was undertaken this year to combat the two deadly reasons that could destroy our earth: Plastic and Filth!
The PM committee was formed to carry out a public demonstration against Plastic and Filth and the work continues even today. They visited the Bateshwar temple to inform shops, saints and temple committee members about the danger of using plastic/polythene. Employees from Bajaj Electricals along with PM members helped with the cleaning of Balaji temple on January 30, 2018. In March, our committee organized a discussion with senior members of the Balaji Temple committee about how to make the temple 'polythene and chemical free'.

Students from the Blooming Budders' School used the street theatre format to educate visitors to the temple. They touched upon the effects of pollution on our health as well as garbage segmentation. The area where empty 'prasad' plastic bags were dumped was cleared and 240 saplings were planted by temple staff and visitors.

In Rukanpur....
Students from Young Scholars Academy and Shanti Devi Ahuja Girls College spread the message that keeping one's home clean wasn't sufficient. One needs to reach outside and keep the surroundings clean.

'If filthy are the roads, our country will delay her growth' – this slogan was shouted aloud by members of the PM team.

In Madhavganj, Shikohabad...
Shikohabad has become the first exit since the construction of Lucknow Expressway. People entering the township form their first impressions about Shikohabad based on how clean Madhavganj is. PM rallied people to organize a clean-up. The team also organized cleaning toilets of Shikohabad railway station to eliminate foul odours

पर्यावरण मित्र स्वच्छ भारत अभियान की गूँज के साथ मैराथन में भागा

दिल्ली : राजधानी दिल्ली में रविवार को आठवीं दिल्ली हाफ मेराथन का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से की गई। इस बार मैराथन में इथियोपिया के बिरहानु लेगेसी ने पुरुष वर्ग में और केन्या की सिंथिया लीमो ने महिला वर्ग में जीत हासिल की। इसबार मैराथन में 34 हजार धावकों ने हिस्सा लिया जोकि अबतक का नया रिकॉर्ड है। पिछली बार मैराथन में 32 हजार धावकों ने भाग लिया। बजाज इलेक्ट्रीकल्स और पर्यावरण मित्र की टीम के कुल 125 सदस्यों ने स्वच्छ भारत अभियान की थीम को आगे रखते हुए मैराथन में भाग लिया।

दिनांक– 25 फरवरी 2018 | स्थान– जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम,

दिल्ली मैराथन का दृश्य।

मुंबई : हर साल जनवरी के तीसरे रविवार को आयोजित मुंबई मैराथन एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय मैराथन है। यह एशिया में सबसे बड़ा मैराथन है और महाद्वीप पर सबसे बड़ा जन भागीदारी खेल आयोजन। इस साल, बजाज इलेक्ट्रिकल्स के 200 से अधिक कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से इसमें भाग लिया। बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने पर्यावरण मित्र के सहयोग से मैराथन में 'स्वच्छता अभियान' के विचार को फैलाने की मांग की। सभी प्रतिभागियों के बीच अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में एक सूचनात्मक जिंगल, नृत्य और प्लेकार्ड के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया।

हमारा उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देकर एक मिशन की के रूप में कार्य कर पूरे भारत को स्वच्छ बनाना है ।

मुम्बई मैराथन का दृश्य।

'स्वच्छ जल कैसे बचाएँ' विषय पर विचार गोष्ठी

22 मार्च 2018 – विश्व जल दिवस के अवसर पर स्वच्छत जल कैसे बचाएं विषय पर पर्यावरण मित्र द्वारा हिन्दलैम्प्स परिसर स्थित संस्कृति भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में शहर के अनेक सामाजिक संगठन के लोग उपस्थित रहे। पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने स्वच्छ जल को बचाने के लिए चिंता जताते हुए कहा कि हमारे पास उपलब्ध स्वच्छ जल है उसे आवश्यकता अनुसार प्रयोग करना चाहिए जिससे वह बर्बाद न हो अत्यधिक जल को खर्च करने से जल का स्तर काफी नीचे होता जा रहा है। दूसरी तरफ हम स्वच्छ नदियों, नहर, कुएँ, तालाब इत्यादि के पानी को गंदा करते जा रहे जिस पर गहन चिंतन करके इन्हें रोकना होगा।

नगरपालिका अधिशासी अधिकारी रामपाल यादव ने कहा कि नगरपालिका द्वारा नगर में भिन्न –भिन्न स्थानों पर पाइप लाइन बिछाकर नल की टोटियों को लगाया गया है जिसे लोग अक्सर खुला छोड़ देते हैं या अच्छी तरह बंद नहीं करते हैं जिससे पानी टपकता रहता है। एक अच्छे नागरिक होने के नाते सभी को नगरपालिका का सहयोग करना होगा तथा स्वयं की जिम्मेदारी भी समझनी होंगी।

नगरपालिका अध्यक्ष मुमताज बेगम ने कहा कि नगरपालिका पूरी तरह स्वच्छ जल बचाने एवं नगर की सफाई के लिए तत्पर हैं। जल बचाने के लिए स्थानीय नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी तथा नगरपालिका के कार्यों में अपना सहयोग देना होगा।

विचार प्रस्तुत करतीं नगरपालिका अध्यक्ष मुमताज बेगम

'स्वच्छ जल कैसे बचाएँ' विषय पर सभा को संबोधित करतीं पर्यावरण मित्र अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज।

समाजसेवी संगठनों एवं नगर के गण्यमान्यों ने जल से सम्बन्धित समस्याओं को गोष्ठी में रखा। समस्याओं के समाधान से जुड़ी बातों की जानकारी नगरपालिका ईओ ने सभी को दी।

बजाज इलेक्ट्रीकल्स के चेयरमेन शेखर बजाज ने सभी आगुन्तकों का धन्यवाद किया।

Conserve clean water.
World Water Day was observed on March 22. A talk was held to discuss how to conserve clean water. Besides conserving water and using it sparingly, it was pointed out that we need to prevent pollution of rivers, lakes, wells, ponds and other water bodies.

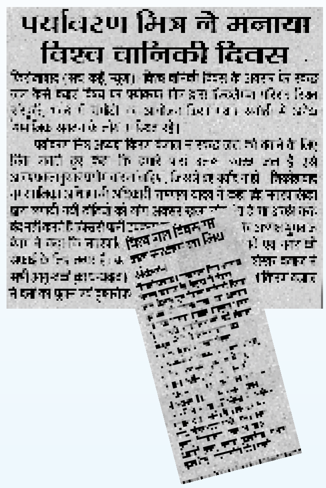

पर्यावरण मित्र ने मनाया विश्व वानिकी दिवस

विचार गोष्ठी में उपस्थित गण्यमान्य नागररिक।

वन पूजन एवं वृक्ष बचाओं गोष्ठी

संस्था द्वारा विश्व वानिकी दिवस मनाया गया जिसमें पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने वनों का पूजन एवं वृक्षारोपण किया। इसीके साथ–साथ उन्होंने बताया कि हमें जीवन में पेड़–पौधों का महत्व अत्यन्त आवश्यक है जिन्हें हमें बचाने के लिए इनको सहजना होगा। सभी को दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम सब पेड़ बचाने में अपना योगदान करेंगे। उपस्थित सभी सदस्यों ने अध्यक्ष उद्बोधन पर अपनी सहमति जताते हुए पेड़–पौधों की रक्षा करने एवं वनों को बचाना का संकल्प लिया।

दिनांक– 21 मार्च 2018, स्थान– मदालसा कुटीर वन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद।

विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर पौधा रोपित करतीं अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज।

महिलाओं को वनो की उपलब्धता के बारे जानकारी देतीं अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज।

वन पूजन का दृश्य।

Save our Trees!

On 21st March, World Forest Day was celebrated by worshipping and planting trees. Visitors were made aware of the significance of planting more trees to save the planet.

विश्व पर्यावरण दिवस – पंचमहाभूतों का पूजन एवं वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण की रक्षा के संकल्प के साथ हिन्द परिसर स्थित श्रीसिद्धेश्वरनाथ मंदिर प्रागंण में एक कनेर का पौधा रोपित कया गया। वृक्षारोपण के साथ–साथ पंचमहाभूतों का पूजन भी किया गया।

दिनांक– 4 जून 2018 स्थान– बटेश्वरनाथ मंदिर, वाह आगरा।

विश्व जल दिवस पर श्रीसिद्धेश्वरनाथ मंदिर परिसर में पौधे रोपित करते पुरुष, महिलाएँ एवं बच्चे।

वृक्षारोपण के बाद समूह छायांकन।

पंचमहाभूतों के पूजन का दृश्य।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

आसन में वाहय शरीर को आंतरिक शरीर से जोड़ना एवं मेडीटेशन के माध्यम से आत्मा को परमात्मा से जोड़ना, यही योग है। योग के माध्यम से आप अपने अंतस मन के चेतना को जागृत कर, स्वस्थ्य जीवनयापन कर सकते हैं। योग आपको एकाग्रचित होकर ध्यान लगाकर कार्य करने की शक्ति प्रदान करता है।

पर्यावरण मित्र एवं शब्दम् द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योगदिवस में योगाचार्य शिवरतन सिंह ने हिन्द लैम्प्स परिसर स्थित संस्कृति भवन में महिलाओं एवं पुरुषों के जनसमूह को उज्जाई, भ्रामरी, 'अनूलोम विलोम प्राणायाम', 'कपालभाति', 'भस्त्रिका प्रणायाम', पादहस्तासन, उच्चासन, फलासन, उष्ट्रसन, शीर्षासन, मयूर आसन, वृक्षासन, विच्छूआसन एवं अन्य सूक्ष्म आसन का अभ्यास कराया।

शब्दम् द्वारा संचालित हिन्द लैम्प्स परिसर स्थित सिलाई केन्द्रों में भी बालिकाओं एवं महिलाओं को योगभ्यास कराया गया एवं उसके महत्व के बारे में बताया गया।

दिनांक– 21 जून 2018 | योगाचार्य– शिवरतन सिंह

ग्रामीण क्षेत्रों में भी रही योग दिवस की धूम

आत्मा को परमात्मा से जोड़ना ही योग है

शिकोहाबाद में योग करने का संकल्प दि

शिविर में आयीं महिलाएं एंव पुरुष योग की मुद्रा में ।

International Yoga Day

This day was celebrated by inviting Yogacharya Shivratan Singh to demonstrate key yoga asanas such as Kapalbharati, Anulom Vilom, Falasan, amongst others. The session focused on connecting the inner mind with the body through meditation. Hind Parisar Lamps staff and students of the Women's Sewing Centre attended in large numbers.

समूह छायांकन।

पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस समारोह 'भारतीय बाज़ार में जैविक खेती की प्रासंगिकता' विषय पर गोष्ठी एवं जैविक किसान सम्मान समारोह

पर्यावरण मित्र के चौदहवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में हिन्द परिसर में 'भारतीय बाज़ार में जैविक खेती की प्रासंगिकता' विषय पर गोष्ठी एवं जैविक किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कृषि अधिकारी रविकान्त एवं सहायक कृषि विकास अधिकारी कैलाश थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नारायण महाविद्यालय से कृषि संकाय के समन्वयक आर.के त्रिपाठी एवं भूमि परीक्षण अधिकारी डा. कुलदीप थे। इस अवसर पर शिकोहाबाद नारायण महाविद्यालय के कृषि संकाय के लगभग 200 छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम में 26 जैविक किसानों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ छात्र–छात्राओं को पर्यावरण मित्र द्वारा मॉडल के रूप में विकसित किया गया, जैविक कृषि एवं वन क्षेत्र दिखाया गया। जब छात्र जैविक खाद बनाने की विधि समझ रहे थे तो पर्यावरण के सच्चे हितैषी कैंचुओं को हाथ में लेकर बहुत उत्साहित दिखे। विद्यार्थियों ने पर्यावरण मित्र कृषि अधिकारी से अमृत जल–मिट्टी एवं अलौकिक खाद के बारे में भी समझा। विद्यार्थियों को जैविक नर्सरी क्षेत्र में भी घुमाया गया। वन दर्शन के मध्य विद्यार्थियों ने ''पर्यावरण कब तक सहेगा कभी तो कुछ कहेगा'' नारे भी लगाए।

पर्यावरण मित्र की जागरूकता गतिविधियों की ई–कार्ड प्रदर्शनी एवं जैविक उत्पाद प्रदर्शनी भी विद्यार्थियों एवं अधिकारियों ने

जैविक परियोजना से जुड़ किसान का सम्मान करते डॉ. आर.के. त्रिपाठी।

देखी।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण का प्रारम्भ 'भारतीय बाजार में जैविक खेती की प्रासंगिकता विषय पर गोष्ठी एवं जैविक किसान सम्मान' के साथ हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. आर.के त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अंधाधुंध रसायनिक खादों के प्रयोग के कारण मृदा ऊसर होती चली जा रही है जिस कारण हम जो भी खा रहे है वह जहरीली हो रहा है। इस कारण कैन्सर जैसी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। पर्यावरण मित्र जैसी संस्था हमें जागरूक करने का कार्य कर रही है अब हमें स्वयं जागरूक होना पड़ेगा।

डॉ. कुलदीप ने कहा कि हमें आगे आने वाले समय में यदि धरती

आमंत्रित अतिथि एवं सम्मानित किसान भाइयों का समूह छायांकन।

जैविक परियोजना से जुड़े किसान, शिक्षकगण एवं बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र।

को बचना है तो जैविक खेती करनी ही होगी।

जिला कृषि अधिकारी श्री रविकान्त ने विद्यार्थियों को चैताया कि हमें पर्यावरण के प्रति सजग रहना ही होगा। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को अधिकारी ने किसानों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले अनुदान के बारे में विस्तार से बताया। आप upagriculture.com पर रजिस्टर कराकर किसान सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते है।

सहायक कृषि विकास अधिकारी कैलाशजी ने कहा कि जैविक खेती में गहन जुताई की आवश्यकता है, अवशेषों को जलाया न जाए या तो उसकी जैविक खाद बनाएँ या गढ्ढे में दबा दें। किसानों को फसल चक्र अपनाना चाहिए। आपका खर्चा कम होगा एवं आय अधिक होगी, परन्तु इसके लिए आपको भूमि शोधन करना आवश्यक है।

दिनांक – 28 सितम्बर 2018

स्थान– संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

सभा को सम्बोधित करते सहायक कृषि विकास अधिकारी श्री कैलाश, डॉ. आर.के. त्रिपाठी एवं जिला कृषि अधिकारी श्री रविकान्त।

जैविक खाद बानने की विधि एवं प्रयोग की जानकारी प्राप्त करते छात्र।

जैविक हल्दी की फसल को देखते विद्यार्थी।

समूह छायांकन।

'कचरा प्रबन्धन कार्यशाला एंव पॉलीथिन निषेध

पर्यावरण मित्र स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत 18 सितम्बर से निरन्तर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन्ही आयोजनों के अंतर्गत शब्दम् द्वारा संचालित छः सिलाई केन्द्रों की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के साथ कचरा प्रबन्धन कार्यशाला एवं पॉलीथिन निषेध पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दीपक औहरी ने कहा कि कचरा हमारे लिए अभिशाप नहीं बल्कि बरदान है। कचरे का पृथक्कीकरण करने का आसान तरीका बताते हुए कहा कि प्रकृति द्वरा निर्मित वस्तु गीला कचरा है जिसे कि हरे डिब्बे में एवं मानव द्वारा निर्मित वस्तुओं सुखे कचरे के रूप में होती है इसे नीले डस्टबिन में रखें। पॉलीथिन पर प्रहार करते हुए कहा कि यह एक दैत्य के समान है जिसे हमने अपने घर में बैठा रखा है। आज दृढ़ संकल्प लें कि इस पॉलीथिन रूपी दैत्य का प्रयोग बंद करेंगे और अपनी वर्तमान एवं भावी पीढ़ी रक्षा करेंगे।

कार्यक्रम का विषय प्रर्वतन एवं संचालन करते हुए मोहित जादोंन ने कहा कि कचरे का प्रबन्धन के लिए घर से ही कूड़े का पृथक्कीकरण कर डस्टबिन में रखें। उन्होंने पॉलीथिन निषेध पर बोलते हुए कहा कि यदि हम–सब धीरे–धीरे पॉलिथिन का प्रयोग बंद कर देंगे तो पॉलीथिन बनना स्वतः ही बंद हो जाएगी। साथ ही उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे अपने परिवार के लिए सिलाई केन्द्र में कपड़े के थैले बनाकर, पॉलीथिन का प्रयोग बंद कर सकती हैं। प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्राओं को कचरा प्रबन्धन पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

पर्यावरण मित्र–शब्दम् का परिचय देते हुए अभिषेक श्रीवास्तव ने गतिविधियों की जानकारी छात्राओं को दी।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं में कचरा प्रबन्धन एवं पॉलीथिन निषेध को लेकर कविता, रंजना एवं वर्षा ने अपने प्रश्न पूछे तथा छात्रा गीताजंलि ने मंच पर आकर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन धर्मेन्द्रपाल ने दिया। कार्यक्रम में सिलाई केन्द्र की शिक्षिकाएं सुषमा मिश्रा, सीमा शाक्या एवं प्रभादेवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के उपरान्त पौधारोपण भी किया गया।

दिनांक– 22 सितंबर 2018
स्थान– संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद।

कार्यशाला के पश्चात् वृक्षारोपण करती जानकी सिलाई केन्द्र की छात्राएं।

कचरा प्रबन्धन कार्यशाला एवं पॉलीथिन निषेध गोष्ठी का समूह छायांकन।

गांधी जयंती जैविक मेला एवं गांधी साहित्य प्रदर्शनी

पर्यावरण मित्र द्वारा जैविक उत्पाद एवं गांधी साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन क्षेत्रीय श्रीगांधी आश्रम के निकट शिकोहाबाद में आयोजित किया गया। इस जैविक मेले में जैविक उत्पाद प्रदर्शनी के माध्यम जैविक उत्पाद खाने से होने वाले लाभ के साथ–साथ जैविक खेती करने के लिए जागरूक करने का पर्यावरण मित्र का भरसक प्रयास रहता है। पर्यावरण मित्र संस्था जैविक परियोजना से जुड़े किसानों को किसान चौपाल एवं जैविक खाद प्रशिक्षण के साथ–साथ हिन्द लैम्प्स परिसर में तैयार की जा रही जैविक फसलों के उत्पादन के माध्यम से प्रशिक्षण देने का कार्य कर रही है।

इस जैविक मेले का उद्देश्य लोगों में गांधीजी के विचारों एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक करना है। रासायनिक खादों के अंधाधुंध प्रयोग करने से हमारी उपजाऊ जमीनें भी प्रदूषित होती जा रही है तथा रासायनिक खाद से उत्पन्न सब्जियां खाने से हमारे स्वास्थ पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। अतः हम सभी ग्रामीण कृषक बन्धु अपनी धरती, जल और अपने स्वास्थ्य को सही रखने के लिए रसायन को त्यागें और स्थानीय पशु, धन और संसाधन को बचाते हुए जैविक खेती अपनाएं।

जैविक मेले में गांधी साहित्य प्रदर्शन की माध्यम से जन–जन तक गांधी जी को पहुँचाने का प्रयास किया गया। इस मेले में गांधी जी की साहित्यक पुस्तकें, श्री एवं जैविक खादों से तैयार विभिन्न जैविक सब्जी भिण्डी, बैगन, पालक, ग्वार, रमास तथा फलों में आँवला मौसमी तथा जैविक अनाज में गेहूँ, चावल, गेंहू का आटा, दलिया एवं विभिन्न प्रकार की दालें, राई, काली–पीली सरसों का तेल, अलसी, विभिन्न प्रकार के फूल एवं फलदार पौधे प्रदर्शित किये गये।

श्रीगांधी आश्रम में पर्यावरण मित्र द्वारा करंज, कचनार, अर्जुन शीशम और नीम के पौधे रोपित किए गए। डिवाइन इंटरनेशनल एकेडमी सिरसागंज द्वारा निकाली गई स्वच्छता रैली में पर्यावरण मित्र का सहयोग रहा।

जैविक मेले पर शिकोहाबाद नगरपालिका अध्यक्ष मुमताज बेगम, अध्यक्ष प्रतिनिधि अब्दुल वाहिद एवं अधिशासी अधिकारी श्री रामपाल सिंह।

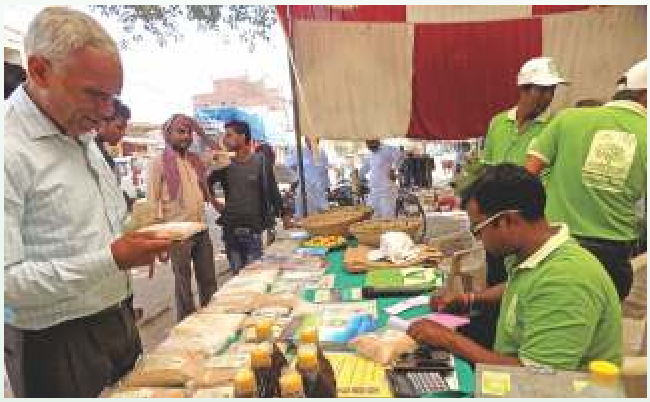

जैविक उत्पादों को बारीकी से देखता बुजुर्ग।

जैविक उत्पादों की जानकारी प्राप्त करते राहगीर।

जैविक खेती परियोजना

पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा सन 2012 में जैविक खेती परियोजना की शुरूआत की गई जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को जागरूक कर कम से कम एक बीघा खेत में जैविक खेती से शुरूआत करके क्रमशः पूरी खेती को जैविक खेती में रूपान्तरित करना था। इस परियोजना को पहले शिकोहाबाद विकास खण्ड में शुरू किया गया जिसके सफल प्रतिसाद के परिणाम स्वरूप इसे मदनपुर विकास खण्ड में भी चलाया गया। इस प्रकार दोनों ही विकास खण्डों के ग्राम नगला मिश्री, लखनई, शेरपुर, जलालपुर, दुधरई खेड़ा, केसरी, कटौरी, रजौरा, लखनपुर, छटनपुर, सलेमपुर, डंडियामई आदि 16 गाँव के सैकड़ों किसान जैविक परियोजना से जुड़ चुके हैं।

किसानों ने पर्यावरण के घटक मिट्टी, पानी व हवा को शुद्ध करने की दिशा में कार्य शुरू करके उसमें निरन्तर प्रगति की है। सितम्बर 2018 तक इस परियोजना में कुल 156 किसान जुड़कर जैविक खेती में अपनी विशेष रुचि दिखा रहे हैं। कम से कम एक बीघा से शुरूआत करने वाली यह परियोजना कुछ किसानों की अधिकांशतः जमीन को जैविक में रूपान्तरित करने की ओर अग्रसर हो रही है।

पर्यावरण मित्र के कृषि विशेषज्ञ, वन विशेषज्ञ एवं सहायक समन्वयक गाँवों में जाकर किसानों को रासायनिक खेती के दुष्परिणाम और जैविक खेती के फायदों के बारे में तुलनात्मक रूप से जागरूक कर रहे हैं। किसानों के खेतों की मिट्टी परीक्षण हेतु मृदा स्वास्थ्य की जाँच कराई जाती है और स्वास्थ रक्षण के बारे में विधियाँ बताई जाती हैं।

पर्यावरण मित्र संस्था ने हिन्द लैम्प्स परिसर शिकोहाबाद में अपना 'जैविक खेती मॉडल फार्म' भी विकसित किया है। जहां पर जैविक परियोजना से जुड़े किसानों का उचित समयान्तरालों पर भ्रमण कराया जाता है। भ्रमण के दौरान उन्हें जैविक खाद और जैविक कीटनाशकों के विभिन्न प्रकार से बनाने, प्रयोग करने और भण्डारण करने की तकनीकी जानकारियां दी जाती हैं। किसानों को जैविक फसल का भ्रमण कराया जाता है और पिछले सालों के क्षेत्र के रासायनिक फसल उपज और जैविक खेती मॉडल फार्म के फसल उपज आँकड़ों की तुलनात्मक जानकारी दी जाती है। इस प्रकार किसानों को प्रशिक्षण देकर उनकी जैविक खेती को और अधिक दक्ष तरीके से करने को प्रेरित किया जाता है।

पर्यावरण मित्र संस्था अपने स्थापना दिवस (24 सितम्बर) के अवसर पर प्रत्येक वर्ष जैविक परियोजना से जुड़े किसानों को जैविक खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित करती है। जो भी किसान इस परियोजना में जुड़कर जैविक खेती की शुरूआत करना चाहता है उसे संस्था के द्वारा देशी जैविक बीजों, जैविक खादों, केंचुए और फलदार पेड़ों की उपलब्धता भी करवाई जाती है।

जैविक खेती परियोजना मॉडल फसल उत्पादन के साथ–साथ किसानों को जैविक उत्पाद प्रभावीकरण और जैविक उत्पाद को उपभोक्ता तक पहुँचाने के रास्तों के बारे में भी प्रशिक्षित किया जाता है।

जैविक लौकी एवं तोरई।

जैविक भिण्डी एवं हल्दी।

Organic Farming Project

This project is one of Paryavaran Mitra's most significant contribution to farmers living in and around Shikohabad. Besides awareness and training, farmers are provided with ongoing help to set up organic farming practice. Paryavaran Mitra specialists visit the villages to create awareness about the ill effects of chemical fertilisers.

The Organic Farming Model Farm has been created at Hind Parisar. Farmers who visit on a tour are advised about the various ways to grow, store, deliver and use organic produce.

वर्ष 2017.18 में उत्पादित अनाज का विवरण

अलसी 93.600 किलो, अरहर 985.700 किलो, बाजरा 937 किलो, तिल 37 किलो, धान 1586.800 किलो, कच्ची हल्दी 695 किलो, सरसों 4109 किलो, जौ 165.400 किलो, धनियां 144.900 किलो, गेहूं 3432.100 किलो, मैथी 5 किलो।

स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शनी 'कचरे से कंचन योजना'

'पर्यावरण मित्र' के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन रहा जब जिला मुख्यालय दबरई में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण मित्र की 'कचरे से कंचन योजना' की जानकारी ली।

पर्यावरण मित्र ने मुख्यमंत्री को बताया कि पर्यावरण मित्र पिछले तेरह वर्षों से गीले कचरे एवं सूखे कचरे को अलग करके उसका निस्तारण कर रहा है। गीले कचरे को प्रयोग में लाकर जैविक खाद तैयार करता है इससे तैयार जैविक उत्पाद के माध्यम से पर्यावरण मित्र से जुड़े किसानों के लिए जैविक बाजार तैयार करने की दिशा में अग्रसर है।

दिनांक – 20 मार्च 2018, बुधवार | स्थान– जिला मुख्यालय, फिरोजाबाद।

पर्यावरण मित्र जैकिव स्टॉल पर विजिट कर, जानकारी लेते उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ।

जैविक स्टॉल पर जैविक खाद की प्रिकिया को समझते मंत्रीगण।

From Garbage to Gold

20 March 2018, Pherozabad.

It was a historic day in Pherozabad when Chief Minister Yogi Adityanath attended the Garbage to Gold event organised by Paryavaran Mitra. Paryavaran Mitra briefed the lwork in the last 13 years to separate wet from dry waste. The process of making organic fertilizer from wet waste was explained.

कचरा प्रबन्धन कार्यशाला

राजकीय महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में 80 छात्राओं ने सहभागिता की।

कचरा प्रबन्धन कार्यशाला के अंतर्गत सर्वप्रथम पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से छात्राओं को कचरे को घर से ही वर्गीकृत करना एवं गीले कूड़े को खाद बनाना सिखाया गया।

उन्हें बताया गया कि हमें कचरा घर से ही वर्गीकृत कर बाहर निकालना चाहिए। इसके लिए हमें किचन वेस्ट के लिए हरा डस्टबिन व रिसाइकल कचरे के लिए नीला डस्टबिन घर पर रखना होगा। हरे डस्टबिन में डाले गये कचरे से जैविक खाद तैयार कर सकते हैं तथा नीले डस्टबिन का कूड़ा हम कबाड़ी को बेचकर उससे जो भी पैसे प्राप्त हो उसे देशहित में प्रयोग कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के अधिकारी डॉ. कान्ती शर्मा एवं डॉ. आशुतोष राय ने पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज का कचराप्रबन्धन कार्यशाला के लिए धन्यवाद दिया।

दिनांक–19 जनवरी 2018 | स्थान–ग्राम जगमुदी अरांव रोड सिरसागंज, उ.प्र.

राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसागंज द्वारा ग्राम जगमुदी में लगाए गए राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में कचरा प्रबन्धन कार्यशाला का दृश्य।

Waste Management Workshop

January 27, 2018 I Jagmudi village, Sirsaganj, U.P.

225 students participated from several colleges and high school attended a camp to understand the principles of Waste Management. This was done with the help of a power point presentation. The process of making organic fertilizer from wet waste was demonstrated.

कचरा प्रबन्धन कार्यशाला

नारायण महाविद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर, सिरसागंज में कचरा प्रबन्धन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कचरा प्रबन्धन कार्यशाला में लगभग 155 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, नशा मुक्ति, दहेज प्रथा से मुक्ति इत्यादि विषयों पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। 30 जनवरी 2018 को शिविर में शब्दम् हिन्दी प्रश्नमंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दिनांक– 27 जनवरी 2018 | स्थान– क्षत्रिय धर्मशाला सिरसागंज

नारायण महाविद्यालय शिकोहाबाद द्वारा क्षत्रिय धर्मशाला सिरसागंज में लगाए गए राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में कचरा प्रबन्धन कार्यशाला एवं प्रश्नमंच प्रस्तुत करते मंज़र–उल वासै।

किसान चौपाल – आओ चले जैविक खेती कि ओर

मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा को देखते हुए पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा पिछले 13 सालों से प्रत्येक माह किसान चौपालों का आयोजन कराया जाता है किसानों के साथ किसान चौपाल के माध्यम से निरन्तर बढ़ती जनसंख्या और उसके सापेक्ष मानव स्वास्थ्य के लिए लाभदायक जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने तथा भूमि कि उर्वरा शक्ति के सरंक्षण के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है।

पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा एक वृहद् स्तर पर किसान चौपाल का आयोजन जसवन्तनगर के जौनई ग्राम में किया गया जिसमें प्रधान समेत 70 से अधिक चार गाँवों के किसानों ने एक साथ भाग लिया जिसमें भूमि की उर्वरा शक्ति कम हाने पर चिंता जतायी गई तथा किसानों द्वारा हरी खाद एवं गोबर की खाद केंचुआ खाद अपनाकर भूमि सुधारने का संकल्प लिया गया। संस्था द्वारा ग्रामीण समितियां प्रत्येक गांव में बनाई जाती हैं जिन्हें प्रशिक्षित कर जिनके माध्यम से किसानों को जैविक खेती, जैविक खाद, बहुफसली खेती इत्यादि की जानकारी किसानों को उनके गाँवों में जाकर एवं हिन्द लैम्प्स परिसर में समय–समय पर कार्यक्रमों के माध्यम से दी जाती है।

किसान चौपाल के माध्यम से जैविक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त करते किसान।

Kisaan Chaupal

The Kisaan Chaupal is a monthly meeting where farmers are encouraged to adopt organic farming to prevent the ill effects of chemical fertilisers that have an adverse effect on public health. The farmers are made aware of the techniques, facilities and opportunities provided by Paryavaran Mitra. Some of these include free soil checks and organic farming training. More than 150 farmers in 50 villages have dedicated a part of their land to organic farming. Some farmers have totally converted to organic farming practice.

जैविक खेती के लिए संकल्प लेते किसान।

जैविक खाद प्रशिक्षण शिविर लगा

जैविक खाद के लिए प्रोत्साहित किया

गांधी जयन्ती के अवसर पर
सफाई अभियान, वृक्षारोपण, प्रश्नमंच, जैविक उत्पाद सामग्री एवं गांधी साहित्य प्रदर्शनी

'पर्यावरण मित्र' द्वारा गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में 27 सितम्बर को बेकार सखा में हिन्दुस्तान अखबार, हिन्दू युवा वाहिनी के साथ स्वच्छता अभियान अभियान चलाया गया जिसमें पार्क की सफाई की गई।

2 अक्टूबर गांधी जयन्ती के अवसर पर बेकार सखा में साफ किए गए पार्क में 16 पौधे रोपित कर वृक्षारोपण कराया गया।

इसी क्रम में नगरपालिका के साथ मिलकर रुकनपुर में सफाई अभियान चलाकर, खाली पड़े पार्क की जगह में ड़ाले जाने वाले कूड़े की सफाई कर, उसमें 22 पौधे रोपित कर, वृक्षारोपण किया गया साथ ही रोपित किए गए पौधों को जानवरों से सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड भी लगाये गए। जिसमें नगरपालिका ईओ रामपाल यादव, मुकेश श्रीवास्तव, सेनेटरी इस्पेक्टर महेश यादव तथा नगर के गणमान्य पी.एस.राना, मनोज शर्मा, विवेक चड्डा एवं सन्दीप शर्मा रहे उपस्थित रहे।

गांधी आश्रम के पास 'गांधी साहित्य एवं जैविक कृषि सह उत्पाद प्रर्दशनी' का आयोजन किया गया। जैविक मेले में उपजिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी शिकोहाबाद ने भी विजिट कर, सभी उत्सावर्धन किया एवं गांधी जी पुस्तकें खरीदीं। इसी के साथ–साथ गांधी आश्रम में 5 पौधे रोपित कर, वृक्षारोपण भी किया गया।

इसीक्रम में 2 अक्टूबर से लगातार 7 अक्टूबर तक कुल 6 स्थानों पर गांधी सप्ताह हिन्दी प्रश्नमंच एवं गांधी फिल्म प्रदर्शनी का आयोजन प्रश्नमंच समिति के अध्यक्ष मंज़र–उल वासै द्वारा किया गया। यह आयोजन श्रीदेवी मेमोरियल महाविद्यालय, ए. एस मॉडर्न स्कूल एवं श्रीदेवी मैमोरिलय इण्टर कॉलेज ककरारा के सयुक्त विद्यार्थी, गिरधारी इण्टर कॉलेज, सिरसागंज, ब्राइट राइडर्स पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद, फातिमा पब्लिक पूर्व मा0विद्यालय, शिकोहाबाद, शिकोहाबाद पब्लिक गर्ल्स हा0सै0 स्कूल, बी.आर. पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद के विद्यार्थियों के मध्य कराया गया। प्रत्येक विद्यालय में छात्र–छात्रओं की संख्या 300 से 400 के मध्य रही। प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप पेन वितरित किए गए।

दिनांक– 27 सितम्बर से 7 अक्टूबर 2017
सीन– बेकारसखा, रुकनपुर, गांधी आश्रम, ककरारा स्थित महाविद्यालय

जैविक मेले का दृश्य।

Other significant activities:

- A talk was organised about the prevalence of organic farming in Indian markets
- Discussion about Waste Management Workshop and Plastic Ban
- Plastic Ban through Art, essay writing and debates in the schools of Shikohabad
- Marathon Run in Delhi to spread awareness about the Cleanliness Drive
- Organic Farming Exhibition

अर्जुन वृक्ष (Terminalia Arjuna)

एक औषधीय वृक्ष है। और आयुर्वेद में हृदय रोगों में प्रयुक्त औषधियों में प्रमुख है। इसे अन्य नामों घवल, ककुभ तथा नदीसर्ज (नदी नालों के किनारे होने के कारण) से भी जाना जाता है इसकी छाल पेड़ से उतार लेने पर फिर उग आती है। अर्जुन की छाल में पाए जानेवाले मुख्य घटक हैं– बीटा साइटोस्टेरॉल, अर्जुनिक अम्ल तथा फ्रीडेलीन। अर्जुनिक अम्ल ग्लूकोज के साथ एक ग्लूकोसाइड बनाता है, जिसे अर्जुनेटिक कहा जाता है। पेड़ पर से छाल चिकनी चादर के रूप में उतर आती है। क्योंकि पेड़ का तना बहुत चौड़ा होता है। अर्जुन की छाल को सुखाकर सूखे शीतल स्थान में चूर्ण रूप में बंद रखा जाता है। होम्योपैथी में अर्जुन एक प्रचलित ख्याति प्राप्त औषधि है। पेड़ कि छाल को चूर्ण; काढ़ा; क्षीर पाक; अरिष्ट आदि तरह लिया जाता है यह ज्वरनाशक ; मूत्रक और अतिसार नष्ट करने वाली होती है। यह उच्च रक्तचाप को कम करती है।

अर्जुन के औषधीय उपयोग

1 रोज अर्जुन पेड़ छाल रस चबाकर रस चूसने से समस्त हृदय विकारों से आराम दिलाने में सहायक है। हृदय रोगी / Heart Patient के लिए अर्जुन पेड़ छाल औषधि समान है।

2–कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर अर्जुन पेड़ छाल पाउडर काढ़ा सुबह शाम पीने से बंद वाहिकाऐं सुचारु करने में सहायक है। अर्जुन पेड़ छाल काढ़ा अचूक औषधि है।

3–सफ़ेद बालों को काला करने के लिए अर्जुन पेड़ छाल पाउडर, मेंहदी, चायपत्ती मिलाकर लगाना फायदेमंद है। यह एक तरह से नेचुरल हेयर कलर है।

4–पेशाब में जलन, पेशाब रुक कर आना, संक्रामण होने पर रोज सुबह अर्जुन पेड़ छाल काढ़ा पीना फायदेमंद है। UTI cure समस्या ठीक करने में अर्जुन पेड़ छाल सहायक है।

5–डायबिटीज में अर्जुन बीज फंक जामुन बीज के साथ बराबर मात्रा में मिलाकर कर गर्म पानी के साथ सेवन करना फायदेमंद है। अर्जुन बीज और जामुन बीज मिश्रण मिश्रण सेवन डायबिटीज मरीज के लिए अचूक औषधि है।

Arjun Tree (Terminalia Arjuna)

This is a medicinal tree with anti-bacterial properties and is used in Ayurveda to treat heart disease. Terminalia arjuna is the main herb in a number of formulas directed toward improving cardiovascular function. It grows often near rivers and canals. The bark of this tree grows back after being stripped. The bark contains beta-sisterol, which is used for homeopathy treatment. The bark is used to make a powder, tonic, paste, etc.

Medicinal Usage:

- Chewing the bark daily helps mitigate heart diseases
- A tonic made from powder from the bark helps reduce cholesterol and urinary tract infection
- Application of the bark to the hair prevents greying
- A mixture of the seeds from this tree with jamun seeds helps in the treatment of diabetes

आपके सहयोग के लिए पर्यावरण मित्र संस्था आपका आभार व्यक्त करती है।

सामान्य दान – प्रसन्ना हुनर मुकुल भाटिया, बजाज इलैक्ट्रिकल्स लि., श्रीमती किरण बजाज

पर्यावरण मित्र को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अंतर्गत छूट योग्य है।

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं
नुक्कड़ नाटक

पर्यावरण मित्र द्वारा ग्राम निजामपुर गढ़ूमा में 'जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं' अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ज्ञानदीप, पालीवाल पब्लिक स्कूल एवं इन्दिरा मैमोरियल सिरसागंज ने नाटक के माध्यम से तम्बाकू निषेध का संदेश दिया।

नाटक के अंतर्गत एक दृश्य में जब एक ही परिवार का बड़ा बच्चा सीमा पर और उसी समय छोटा बच्चा तम्बाकू के कारण मरता है तो सभा में उपस्थित लगभग सभी लोग परिवार के साथ रो रहे होते हैं। नाटक के उपरान्त बस्ती जिले से आयी हुई भारत सरकार मंत्रालय की टीम ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत पूर्वांचली अंदाज में लोकगीत प्रस्तुत किया। इस टीम ने स्वच्छता पर भी लोकगीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने पर्यावरण मित्र का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज की प्रस्तुति समय को रोकने वाली थी। ये गाँव जिसमें तम्बाकू निषेध पर लगातार कार्य हो रहा है, अब गाँव के लोगों को स्वयं इस बुराई को गाँव से दूर कर देना चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदया ने ग्राम चौपाल के माध्यम से गाँव में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी सभी ग्रामीणजनों को दी एवं वर्तमान कार्यों की प्रगति पर गाँव के लोगों से सीधी बात की।

कार्यक्रम में सीडीओ अशोक कुमार, उपजिलाधिकारी, अम्बरीश कुमार बिन्द, तहसीलदार दीपक कुमार, जिला पंचायत अधिकारी ग्रीश चंद्र, समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा शंकर तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी अजयपाल, जिला सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन पुनीत श्रीवास्तव, बीडीओ प्रभात मिश्रा, एडीओ पंचायत जनार्दन सिंह, एडीओ सांख्यिकी मुनीश शर्मा, बचत सहायक राजेन्द्र प्रसाद उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देते इन्दिरा मैमोरियल सिरसागंज के विद्यार्थी।

ज्ञानदीप के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक का दृश्य।

डीएम ने चौपाल लगाकर सुनीं समस्याएं

जिंदगी चुनो तंबाकू नहीं का किया मंचन

दिनांक– 29 जनवरी 2018
स्थान–निजामपुर गढ़ूमा, माधौगंज, शिकोहाबाद, उ.प्र.
मुख्य अतिथि– नेहा शर्मा, जिलाधिकारी फिरोजाबाद।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सीख लेते सैकड़ों दर्शक।

नुक्कड़ नाटक टीम की प्रस्तुति एवं दर्शकों का एक दृश्य।

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

'जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं' अभियान के अंतर्गत गोष्ठी

दिनांक– 18 मार्च 2018। स्थान– ग्राम–निजामपुर गढ़ूमा, शिकोहाबाद।

'जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने निजामपुर गढ़ूमा कमेटी से मिलकर वर्तमान गतिविधियों का जायजा लिया और आगे की योजना पर विस्तार से चर्चा की।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने स्थानीय तम्बाकू निषेध कमेटी एवं ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत संस्कारों का देश है, भारत को भगवान ने सभी प्राकृतिक सुख–सुविधाएँ दी है। यहाँ के वातावरण में तम्बाकू, शराब नहीं थी परन्तु वर्तमान का युवा अपने यौवन को तम्बाकू जैसी कुरीति से नष्ट कर रहा है। हमें घर से ही बच्चों को अच्छे संस्कार देने होंगे ताकि वे नशे की लत से दूर रह सकें और उसका जीवन भारत के काम आ सकें।

कमेटी संरक्षक रामनरेश यादव ने कहा कि आज गढ़ूमा में शब्दम्–पर्यावरण की अध्यक्ष किरण बजाज ने जो बीज बोयें हैं वह एक दिन वट वृक्ष बनेंगे और इस क्षेत्र को नशे की कुरीति से मुक्त कराएंगे।

शिक्षक वीनेश यादव ने कहा कि नशे की कुरीति से लड़ने के लिए आत्मबल बेहद आवश्यक है। अतः आज के युवाओं को आत्मचिन्तन कर न सिर्फ स्वयं इस लड़ाई से लड़ना होगा बल्कि समाज को भी इस कुरीति से मुक्ति दिलानी होगी।

पंतजलि योग गुरू डॉ. पी.एस. राना ने कहा कि योग एक ऐसी शक्ति है जिसके माध्यम से समाज ऐसी कुरीतियों से मुक्त हो सकता है। इस अवसर पर किरण बजाज के निवेदन पर योग गुरु राना ने कमेटी के सभी सदस्यों को अनुलोम–विलोम, प्राणायाम, कपालभाति, भ्रामरी इत्यादि योग क्रियाएँ सिखायीं।

तम्बाकू निषेध कमेटी' निजामपुर गढ़ूमा कमेटी मीटिंग को सम्बोधित करतीं पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज।

उपस्थित कमेटी के सदस्य एवं ग्रामीणजन।

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों में मौनी बाबा आश्रम के स्वामी प्रेमगिरी महाराज, फौजदार सिंह, वेद सिंह, सुरेश बघेल, अमरीश यादव, जगमाल सिंह, रमनपति, श्रीमहाराज, रामदेव, विजय यादव, मिल्टन, ज्ञानेश इत्यादि कई ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समूह छायांकन।

'जिंदगी चुनो, तम्बाकू नहीं' अभियान

दिनांक– 18 मार्च 2018। स्थान– ग्राम–निजामपुर गढ़ूमा, शिकोहाबाद।

पर्यावरण मित्र का तम्बाकू निषेध अभियान चरणवद्ध तरीके से चला जिसके अंतर्गत संस्था ने सर्वप्रथम अपने कार्यक्षेत्र में कमेटियों का गठन कर, कार्य करने वाले लोगों को तम्बाकू की कुरीति से बाहर निकालने का प्रयास किया। हिन्द लैम्प्स कारखाने में भी विभाग वाइज कमेटियों का गठन कर, कारखाने को तम्बाकू मुक्त बनाये जाने के लिए प्रयास जारी है। संस्था ने बालाजी मंदिर एवं रुकनपुर कमेटियों के साथ जागरूकता अभियान नगर में फैलाने का कार्य किया। संस्था ने प्रहलाद राय टीकमानी सरस्वती विद्यामंदिर एवं गर्ल्स इण्टर कॉलेज, ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल शिकोहाबाद एवं ग्रामीण अंचल के विद्यालया जे.एस. एकेडमी वाजिदपुर में शिक्षकों एवं प्रबन्धकों के साथ एक बैठक कर, प्रोजेक्ट तैयार किया जिससे विद्यालय अपने आसपास इस कुरीति को जड़ से उखाड़कर फेंक सकें।

प्रोजेक्ट के अंतर्गत शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को बताया जाएगा कि प्रथमचरण में वह अपने परिवार में तम्बाकू से होने वाली हनियों को बताएं और परिवार को तम्बाकू मुक्त करवायें। द्वितीय चरण में विद्यार्थी अपने आस–पास के दो घरों में इसी प्रक्रिया को दोहरायें और प्रयास करें कि वह अपने आस–पास के दो घरों को भी तम्बाकू मुक्त कर सकें। जो विद्यार्थी इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल हों वह विद्यालय को पूरी स्थिति लिखकर दें। यदि विद्यालय प्रमाणित करे तो पर्यावरण मित्र उन विद्यार्थियों का सम्मान करेगे और अपने अगले अंक में इस सफल स्टोरी को प्रकाशित करेगा जिससे यह विद्यार्थी ओर लोगों के लिए आदर्श बन सकें।

'जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं' अभियान के तम्बाकू निषेध अधिकारी द्वारा रुकनपुर पड़ाव का डोर टू डोर सर्वे किया गया जिसमें पता लगाया कि कितने लोग तम्बाकू का सेवन करते हैं ताकि संस्था चिनिहत किए गए लोगों पर तम्बाकू छुड़ाने के लिए कार्य कर सके।

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों में मौनी बाबा आश्रम के स्वामी प्रेमगिरी महाराज, फौजदार सिंह, वेद सिंह, सुरेश बघेल, अमरीश यादव, जगमाल सिंह, रमनपति, श्रीमहाराज, रामदेव, विजय यादव, मिल्टन, ज्ञानेश इत्यादि कई ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

Choose Life, Not Tobacco!

Paryavaran Mitra hosted several activities to fight against the use of tobacco. This included street plays, wall painting, door-to-door awareness, elocutions and power point presentations. These were delivered in schools and colleges of Shikohabad and the surrounding towns and villages.

'जिंदगी चुनो, तम्बाकू नहीं' का विद्यार्थियों को पढाया गया पाठ।

शिक्षकों के साथ तम्बाकू निषेध गोष्ठी का समूह छायांकन।

समूह छायांकन।

प्रोजेक्टर के माध्यम से तम्बाकू निषेध की जानकारी प्राप्त करतीं छात्राएं।

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

त्रैमासिक वन महोत्सव

त्रैमासिक वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण मित्र मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, तीर्थ स्थल एवं जैविक परियोजना से जुड़े ग्रामों में वृक्षारोपण कराता है। इन लगाए हुए पौधों का समय–समय पर कृषि विशेषज्ञ द्वारा निरीक्षण व आवश्यकतानुसार उनमें आने वाले रोगों की जांच की जाती है।

वर्ष 2018 में पर्यावरण मित्र द्वारा लगभग 1250 पौधे रोपित किए गए।

त्रैमासिक वन महोत्सव के दौरान समूह छायांकन।

वृक्षारोपण करतीं हिन्द परिवार की महिलाएं।

पौधे रोपित करते लेबर लॉ विभाग के अधिकारी।

वृक्षारोपण का दृश्य।

Tri monthly Van Mahotsav Celebration

Trees were planted in the grounds of temples, mosques, Gurudwaras and other religious locations in villages around Shikohabad. Regular health checks are conducted on these plants.

Approximately 1250 trees were planted in 2018.

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

वृक्षारोपण करते शिक्षक एवं स्कूली छात्र।

समूह छायांकन।

पर्यावरण मित्र ने बताए पौधरोपण के लाभ

राजकीय संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद में पौधारोपण।

पिंक टॉयलेट और वाटर एटीएम किया समर्पित

पौधों की सुरक्षा, पीढ़ियों की संरक्षा

पौधे लगाएं वृक्ष बचाएं

प्राथमिक स्कूल नगला हरी सिंह में पौधारोपण करते विद्यार्थी।

पर्यावरण मित्र ने लगाए 127 पौधे

राजकीय चिकित्सालय में किया पौधारोपण

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्यक्रम

वन दर्शन

इस आधुनिक युग में पीठ पर किताबों का भार लिये मासूम बच्चे, कहीं प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। यद्यपि लहराते हुए खेत, नाचते हुए मोर, अटखेलियां करती हुयी गिलहरियां, धान का बालियों से खेलती हुयी चिड़ियां यह सब उन्होंने किताबों में तो पढ़ा है किन्तु वास्तविक जीवन में यह उनके लिये परियों की कहानी सा कोई दूसरे ग्रह का सपना है।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज ने सन् 2004 से हिन्द लैम्प्स परिसर को आदर्श वन मॉडल के रूप में विकसित किया। इस मॉडल का उद्देश्य विद्यार्थियों को वन जीवन से साक्षात जोड़ना था। तब से लेकर आज तक पर्यावरण मित्र ने भिन्न–भिन्न क्षेत्र के लगभग 450 विद्यालयों से भिन्न–भिन्न आयु वर्ग के 31 हजार से अधिक विद्यार्थियों को वन दर्शन के माध्यम से प्रकृति से जोड़ने का कार्य किया है।

वन दर्शन करते विद्यार्थी।

जैविक कीटनाशक की विधि का प्रशिक्षण।

जैविक खाद बनाने की विधि समझते स्कूली बच्चे।

पौधे रोपित करते छात्र–छात्राएं।

वन दर्शन के लिए अगले पड़ाव की ओर बढ़ते छात्र।

छात्र-छात्राओं का बढ़ाया ज्ञान

पर्यावरण मित्र द्वारा वन दर्शन एवं वृक्षारोपण के साथ वन महोत्सव का आगाज

Forest Tour

A tour was organised to take young students to witness the delights and joy of the flourishing mini forest in Shikohabad. In this modern and busy world, students are often weighed down by their heavy bags and homework and seldom get to witness the joys of Nature. Visions of swaying fields, scurrying squirrels and dancing peacocks are limited to books. This tour, which is landmark activity of Paryavaran Mitra enables these children to get a firsthand experience of a forest. The creation of this forest was the brainchild of Kiran Bajaj in 2004. Since then, more than 31,000 students have walked amongst the trees and shrubs of this manmade forest.

पर्यावरण मित्र द्वारा वन दर्शन एवं वृक्षारोपण के साथ वन महोत्सव का आगाज

ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए किये जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

दीपावली के अवसर पर पटाखों से होनी वाले ध्वनि प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण के प्रति लोगों को जगह–जगह पर पोस्टर लगाकर तथा 15 हजार पम्फलेट वितरण कर जागरूक करने का प्रयास किया गया। सोशल मीडिया में ई–कार्ड के माध्यम से लोगों को पटाखों से बचने के लिए संदेश दिया गया। जनपद फिरोजाबाद के विद्यालयों एवं प्रशासन में पर्यावरण मित्र ने पत्र भेजकर पटाखे न चलाने एवं उससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया।

सोशल मीडिया एवं ई–कार्ड के माध्यम से संदेश।

समाचार पत्रों के माध्यम से संदेश।

अनंत.........

(1977 - 2018)

देशभक्त, प्रकृति प्रेमी, वन-संरक्षक, वन-प्रवर्तक, स्वप्न दृष्टा

किरण बजाज (अध्यक्ष पर्यावरण मित्र एवं शब्दम्) व शेखर बजाज (अध्यक्ष बजाज इलेक्ट्रीकल्स) के पुत्र, अनंत, बजाज इलैक्ट्रिकल्स के प्रबंध संचालक थे। अपने छोटे जीवन काल में वह अपनी अनेक प्रतिभाओं व क्षमताओं के लिए जाने जाते थे, एक सफल उद्यमी से परे जाकर उन्होंने अपनी एक अनोखी पहचान बनाई थी। वह पूजा के पति, गीतिका के स्नेहिल भाई और वनराज के वत्सल थे। इन चित्रों में अनंत की कहानी अंकित है।

अनंत ने प्राथमिक शिक्षा, 'कथीड्रल एंड जॉनकेनन स्कूल' मुंबई में प्राप्त की और फिर वह प्रसिद्ध दार्शनिक जे. कृष्णमूर्ति द्वारा आंध्रप्रदेश में स्थापित ऋषि वेली स्कूल में गये। 'एच.आर. कॉलेज कॉमर्स मुंबई से उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की।

बाद में, बजाज इलेक्ट्रिकल्स में प्रशिक्षण के दौरान प्रसिद्ध 'एस.पी. जैन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट' के एम. बी.ए. प्रोग्राम में उनका चुनाव हो गया। फिर सन् 2013 में उन्होंने प्रतिष्ठित ' हार्वर्ड बिजनेस स्कूल' बॉस्टन, यूएसए के 'ओपीएम' (ओनर प्रेसीडेंट मैनेजमेंट) कार्यक्रम में अध्ययन किया।

सन् 2005 में वह बजाज इंटरनेशनल प्रा. लि. के जनरल मैनेजर नियुक्त हुए। उनके नेतृत्व में इसके निर्यात विभाग– बजाज इंटरनेशनल– ने आई.टी. से लेकर सौर ऊर्जा जैसे विविध उत्पादों में सफल पैठ की। 'सनसोको' (Sunsoko) नामक उनके प्रकल्प का उद्देश्य ऊर्जा की बचत था।

अनंत ने बजाज इंटरनेशनल को एक इकाई के रूप में BEAMS (बजाज एंटरटेनमेंट, आट्र्स एंड स्पोटर्स) की शुरूआत की, यह एक ऐसा मंच था जिसमें उत्तम दर्जे के मनोरंजन, कला, संगीत और खेलों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित तथा प्रबंधित किया जाता था। इस मंच ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवा प्रतिभाओं के पोषण और उन्हें अवसर देने का प्रयास किया।

फरवरी 2006 को अनंत को बजाज इलैक्ट्रिकल्स के एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर के तौर पर बोर्ड में सम्मिलित किया गया, 2012 में ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और अंत में 2018 में मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में पदोन्नत किया गया।

बजाज इलैक्ट्रिकल्स में अपनी अभिनव सोच के चलते अनंत 'डिजिटल' दुनिया की गहराई में छलाँग लगाई जबकि अधिकतर कंपनियां इस विषय में अभी केवल विचार तक ही सीमिति थीं। अपने स्वप्न को साकार करने के लिए अनंत ने 'एबी स्क्वायर' की शुरूआत की जो कि कंपनी का एकीकृत आर. एण्ड डी. प्रकल्प है और जिसे अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सराहा गया है। कंपनी की कुछ महत्त्वपूर्ण पहलों को एक सूत्र में पिरोने के पीछे अनंत ही प्रेरणा शक्ति रहे जैसे 'थ्योरी ऑफ कॉस्ट्रेंट' (TOC) और 'रेंज रीच एक्सपेंशन प्रोग्राम' (PREP) को शुरू करके इन्हें अमलीजामा पहनाना वितरण प्रणाली के इस अद्‌भुत स्वरूप के कारण कंपनी की वितरण व्यस्था और पहुँच में शानदार इज़ाफ़ा हुआ है।

अनंत एक गर्वीले भारतीय थे और अपने तिरंगे को प्रदर्शित करने का कोई न कोई बहाना ढूंढ ही लेते थे। मातृभूमि के प्रति अपनी श्रद्धा के रूप में उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में 100 ध्वज स्तम्भ बनवाये। उनकी देश भक्ति की भावना कंपनी के चाल–चरित्र में रच–बस गई थी। 2018 में किये गये एक सर्वेक्षण में बजाज इलेक्ट्रिकल्स को सर्वाधिक देशभक्त 'ब्रांड' के रूप में मत मिले।

अपनी माता किरण बजाज के साथ–मुंबई मेराथॉन में, अनंत की मान्यता थी कि 'केवल यह पृथ्वी ही हमें समान रूप से प्राप्त है' इसी सोच से बजाज इलैक्ट्रिकल्स द्वारा संचालित कई अभिनव कार्यक्रमों और प्रवृत्तियों का जन्म हुआ।

अनंत की कल्पना एक भेदभाव रहित विश्व की थी। समाज–कल्याण की भावना को उन्होंने सौर–लालटेनों, साइकिलों के मुफ़्त वितरण द्वारा व्यक्त किया पर्यावरण–अनुकूल जीवन शैली के प्रसार के लिए सौर–ऊर्जा से लैस सामूहिक केंद्रों की स्थापना भी इसी भावना का प्रतीक है।

जल संचयन तथा स्वच्छ पेयजल में उनका दृढ़ विश्वास था।

वन्यजीवन के प्रति प्रेम के कारण अनंत ने पर्यावरण–अनुकूल पैकेजिंग को अपनाया ताकि कागज की बचत हो। नीति थी – शून्य अपव्यय।

'जो पेड़ लगाता है वह स्वयं को नहीं, दूसरों को प्यार करता है।' अनंत को पर्यावरण–अनुकूल भेंट पसंद थी बेहतर विश्व की रचना के लिए वह पेड़ लगाने में रुचि रखते थे।

अनंत ने अंतरराष्ट्रीय टाइगर सप्ताह प्रायोजित किया ताकि बाघ–संरक्षण संबंधी समस्याएं उजागर हो सकें। 'अनंत बजाज बाघ–संरक्षण पुरस्कार' उनकी स्मृति में स्थापित किये गये हैं। ये दो पुरस्कार एक तो वैज्ञानिक क्षेत्र के बाघ संवर्द्धक को दिया जायगा और दूसरा व्यवसायिक समुदाय के बाघ–प्रेमी को। घोड़ों से भी उन्हें बहुत प्रेम था। साथ ही गाय व कुत्तों के प्रति भी उनमें करुणा थी।

वन्य जीवन तथा प्रकृति के प्रति अनंत का प्रेम सर्व विदित है। हमारे पर्यावरण, विशेषकर वन पशुओं की दुर्लभ प्रजातियों के बारे में अपने ज्ञान से वह अपने सहयोगियों, मित्रों और पर्यावरणविदों को आश्चर्य में डाल देते थे।

प्रकति के अजूबे देखने के लिए अनंत ने अलास्का से लेकर न्यूज़ीलैंड तक की यात्राएं कीं।

अनंत को सब खेलों से लगाव था। लेकिन एक सच्चे राष्ट्रभक्त होने के नाते उन्होंने भारतीय खेल कबड्डी को प्रायोजित व सहयोग दिया। नवी मुंबई प्रायोजित क्लाइम्बिंग वर्ल्ड कप' उन्होंने ही प्रायोजित किया। दौड़ के प्रति अनंत का विशेष लगाव था कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ों में उन्होंने हिस्सा लिया। वह निडर थे और साहसिक खेल उन्हें पसंद थे। खुले आसमान में पैराग्लाइडिंग से लेकर गहरे समुद्र में स्कूबाडाइविंग– ये सब उन्होंने किया और इन दो सीमाओं के बीच में जो साहसिक खेल होते हैं वे भी उन्होंने खेले।

अनंत अक्सर प्यानो और सिंथेसाइज़र पर भी अंगुलिया आजमाते थे उनके पास अपने कई वाद्य यंत्र थे और एक शानदार पुस्कालय भी। संगीत के प्रति उनके प्रेम के कारण उन्होंने कबीर फ़ेस्टीवल व कबीर कैफ़े प्रायोजित किए।

भारतीय संस्कृति व दर्शन के प्रति अनंत आस्थावान थे। उन्हें हर धर्म का ज्ञान प्राप्त करने की उत्सुकता थी। कई पुराने मंदिरों के उन्होंने दर्शन किये। जैसे वैष्णोदेवी, तिरुपति बालाजी (कई बार पैदल गए), केदारनाथ (पैदल चलते हुए), बद्रीनाथ, वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन परिक्रमा, सोमनाथ आदि। वह चर्च मस्जिद और गुरुद्वारा भी गए। ताकि इन धर्मों में जो अच्छा है उसे जीवन में उतार सकें।

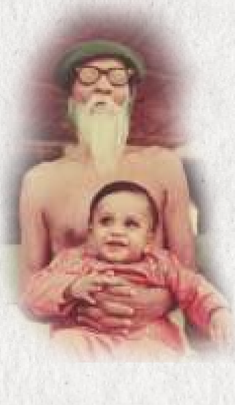

अनंत के लिए पारिवारिक मूल्यों को बहुत महत्त्व था। जानकीदेवी व जमनालाल बजाज, कमलनयन बजाज व रामकृष्ण बजाज की धरोहर से वह बहुत प्रेरित थे।

वह विनोवा भावे के अत्यंत प्रशंसक थे। यहां तक कि पवनार आश्रम में अनंत ने उनके साथ भी समय बिताया। भागवत भास्कर श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री 'ठाकुर जी' व प्रो. नंदलाल पाठक के प्रति अनंत, गुरु के रूप में आदरभाव रखते थे। स्टीव जॉब्स को अनंत व्यवसाय गुरु मानते थे और एपल कम्प्यूटर के प्रति सदा निष्ठावान रहे।

काम के दौरान अनोपचारिक वातावरण में अनंत प्रखर युवाओं के बीच रहना पसंद करते थे। उनमें आत्मसम्मान प्रचुर मात्रा में था किन्तु अहं लेश मात्र भी नहीं। अधिक जानकार व्यक्तियों से सीखने के लिए वह उत्सुक रहते थे।

हमेशा सही व ग़लत के बीच फर्क़ समझने की उनमें समझ थी और अपने विचार व्यक्त करने में उन्हें कभी कोई डर नहीं होता था। सच्चाई और न्याय प्रियता सदैव उनके जीवन व कृतित्व के मार्गदर्शक रहे। हालाँकि कई दफ़ा वे अपने सहकर्मियों को चुनौती देते थे लेकिन अधिकतर उनके चेहरे पर मुस्कान लाते थे। कभी कटु तो कभी मज़ाकिया अक्सर संवेदनशील किंतु ज्यादातर अद्भुत 'बेजोड़'।

ऐसे थे हमारे अनंत !!! और बाज़ी मार ले गये।

लगता है वह किसी मिशन पर थे...............उन्हें कहीं और किसी दूसरे मिशन को पूरा करने की जल्दी थी।

अनंत का एक मात्र प्रिय गीत जो वो अक्सर गुनगुनाया करते थे।

एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल
जग में रह जाएंगे प्यारे तेरे बोल
दूजे के होठों को देकर अपने गीत
कोई निशानी छोड़ फिर दुनिया से डोल।

Anant........

(1977-2018)

Patriot. Nature Lover. Conservationist. Innovator. Dreamer.

Anant, son of Kiran and Shekhar Bajaj was Managing Director, Bajaj Electricals. In his short lifespan, he had built a unique identity that went beyond a successful entrepreneur. He was a loving husband to Pooja, adoring brother to Geetika and an indulgent father to Vanraj. Let these pictures tell his story.

He was appointed General Manager, Bajaj International Pvt. Ltd. in 2005. Under his leadership, the exports arm, Bajaj International made successful forays into businesses as diverse as IT and Solar products.

Anant started - BEAMS – (Bajaj Entertainment, Arts, Music & Sports) - a business unit of Bajaj International; to promote and manage talent in classy entertainment, performing arts, music and sports.

In February 2006, Anant was appointed to the Board of Bajaj Electricals Ltd. as Executive Director and then in 2012 as Joint Managing Director.

Anant was a proud Indian and he found every excuse to wear the tricolour. As a tribute to his motherland, he built 100 Flag Mast poles in different parts of India. In a survey conducted in 2018, Bajaj Electricals was voted as one of the most patriotic brands.

He believed that **"Earth is what we all have in common"**. Anant demonstrated his love for community welfare by donating solar lanterns, cycles and installed solar powered community centres to promote an eco–friendly way of living.

His love for forests made him develop and utilise environment friendly packaging and follow a zero waste policy.

He believed in green gifts and planted trees to make the world a better place.

He sponsored the International Tiger Week to highlight issues about conservation of tigers. The Anant Bajaj Tiger Conservation Awards were instituted in his memory for a tiger conservationist from the scientific field and a tiger lover from the business community.

Anant surprised his colleagues, friends and conservationists with his knowledge about our environment and rare animals. He travelled from Alaska to New Zealand to see the wonders of Nature.

Always ahead of the game! Anant loved all sports but like a true patriot sponsored and supported the Indian game of Kabaddi.

He was very fond of running as a sport and participated in many national and international marathons. From paragliding in the sky to scuba diving under the deep sea, he tried them all and everything in between.

Anant believed in the diversity and strength of Indian culture and philosophy. He was curious about all religions and visited many ancient temples like Vaishnodevi (trekked), Tirupati Balaji (walked up several times), Kedarnath (trekking), amongst others. He also visited the church, mosque and gurudwara to pay his respect to the goodness existing in all religions.

Anant was inspired by the family legacy of Jankidevi and Jamnalal Bajaj, Kamalnayan Bajaj and Ramkrishna Bajaj.

He was an ardent admirer of Vinobaji Bhave and even spent some time at the Pavnar Ashram. He respected Bhagwat Bhaskar Shri Krishnachandraji Shastri (Thakurji) and revered Shri Nandlalji Pathak as his Gurus. **Steve Jobs was Anant's business guru and he remained loyal to Apple computers.**

Anant liked to surround himself with bright young people at work and in social circles. He had a huge amount of self-respect but hardly any ego. His truthfulness and sense of justice guided his life and his work. While many a times he challenged his people, he mostly made them smile. Sometimes brash, sometimes funny, often sensitive, but mostly unique.

That's the way our Anant was !!!

Anant's one & only favourite song:

Ek din bik jayega mati ke mol

Jag me rah jayenge pyare tere bol

Duje ke hotho ko dekar apne geet

Koi nishani chhod phir duniya se dol

One day you shall be reduced to dust
Your words will remain forever amongst us
Gift your song to others to hum
Then, leave a mark before you exit this world

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

Green Movement:
- Tree Plantation/Forest Visits
- Development of small forests Green Belts
- Nursery Development Indoor/Outdoor

Organic Farming:
- Soil Testing
- Organic Manure and pesticides
- Organic Kitchen Garden
- Organic Agriculture
- Organic Fruit, Vegetable & Medicinal Plants

Water Conservation:
- Rain Water Harvesting
- Water Purification
- ETP in factories
- Revival of ponds and water bodies

Cleanliness Drives Training:
- To farmers and students
- Discussion & Interactions with School & College Students, Farmers and Doctors

Awareness Programme:
- Celebration of the important international environment days
- Wall writing
- Rallies and Seminars
- Street Plays and Drawing & Painting Contests
- Campaign against plastic, tobacco, noise pollution
- Exchange of information & Projects with other NGO's

हरित आंदोलन:
- वृक्षारोपण/वन दर्शन
- लघु वनों का विकास
- ग्रीन बेल्ट
- नर्सरी का विकास-घर के अंदर/बाहर

जैविक खेती:
- मिट्टी परीक्षण
- जैविक खाद एवं कीटनाशक
- जैविक किचन गार्डन
- जैविक कृषि
- जैविक फल, सब्जी एवं औषधि पौधे

जल संरक्षण:
- वर्षा जल संचयन
- जल शुद्धिकरण
- कारखानों में ईटीपी
- तालाबों और जलाशयों का पुनरुद्धार

स्वच्छता अभियान प्रशिक्षण:
- किसानों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण
- स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों, किसानों एवं डॉक्टरों से चर्चा एवं बातचीत

जागरूकता कार्यक्रम:
- महत्त्वपूर्ण विश्व पर्यावरण दिवस मनाना
- वाल राइटिंग
- रैलियां और गोष्ठियां
- नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला प्रतियोगिताएं
- प्लास्टिक, तम्बाकू, ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध अभियान
- अन्य गैर-सरकारी संगठनों के साथ परियोजनाएं और सूचनाओं का आदान-प्रदान

Paryavaran Mitra Managing Committee:

President : Kiran Bajaj
Vice President : Shekhar Bajaj
Secretary : Mangesh Patil
Dy.Secretary : S. K. Sharma
Treasurer : Srikant Pandey
Dy.Treasurer : Chetan Bhanushali
Executive Committee : Mukul Upadhyaya, Dr. A.k. Ahuja, Dr. Rajni Yadav, Manmohan Singh, Raj Kishor Singh, Abhay Dixit, Deepak Ohri
Auditor : Shikhar Sarin

पर्यावरण मित्र संचालक समिति:

अध्यक्ष : किरण बजाज
उपाध्यक्ष : शेखर बजाज
सचिव : मंगेश पाटील
उपसचिव : एस. के. शर्मा
कोषाध्यक्ष : श्रीकांत पाण्डेय
उपकोषाध्यक्ष : चेतन भानुशाली
कार्यसमिति सदस्य : मुकुल उपाध्याय, डॉ. ए.के. आहूजा, डॉ. रजनी यादव, मनमोहन सिंह, राजकिशोर सिंह, अभय दीक्षित, दीपक औहरी
लेखा परीक्षक : शिखर सरीन

Contact :-

Mumbai: Kailash Chaudhari
Bajaj Electricals Ltd., 45/47, Veer Nariman Road,
ombay Life Building, Mumbai - 400001
T: +91 22 61107883 M: +91 9820250723
E-Mail: choudhary.kailash@gmail.com

Shikohabad:
Deepak Ohri (+91 9759213018) Mohit Jadon (09358361489),
Abhishek Srivastav (08394894447)
Hind Lamps Ltd., Shikohabad, Dist : Firozabad (U.P.), 283141
E-Mail: pmhoskb@gmail.com

सम्पर्क :

मुम्बई : कैलाश चौधरी
बजाज इलैक्ट्रिकल्स लि., 45/47, वीर नरीमन रोड,
बॉम्बेलाइफ बिल्डींग, मुम्बई : 400001.
टे : +91 22 61107883 मो.: +91 9820250723
ई-मेल : choudhary.kailash@gmail.com

शिकोहाबाद:
दीपक औहरी (+91 9759213018) मोहित जादौन (+91 9358361489)
अभिषेक श्रीवास्तव (+91 8394894447)
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला: फिरोजाबाद (उ.प्र.), 283141
ई-मेल : pmhoskb@gmail.com

www.paryavaranmitra.org